द करके 3 कि.ग्रा. रॉकफास्फेट, 15–20 लीटर नी में घोलकर डाल दें, तथा और कई छेद करके जोटोवैक्टर 500 ग्राम, राईजोबियम कल्चर 500 म तथा स्फूर घोलक जीवाणु 1.5कि.ग्रा., 15–20 टर पानी में घोलकर डाले तथा छेद को बंद कर ।

)0–120 दिन ाद खाद नकर तैयार हो ाता है। एक र में 20–25 व. / गड्ढा ाद का निर्माण होगा, तथा एक वर्ष में 100 क्वि. 'गड्ढ़ा अनाज वाली फसलों के लिए 1–3 क्वि. 'हेक्ट. तथा सब्जी एवं सघन खेती के लिए 3–5 व. / हे0 खाद का छिड़काव करें।

Nutrient profile of Compost

Parameters	Quantity
Organic matter	70%
pH	7.5
Organic carbon	33.11%
Nitrogen	1.82%
Phosphorus	1.29%
Potassium	1.25%
Fe (ppm)	1019
Mn (ppm)	111
Cu (ppm)	180
Zn (ppm)	280

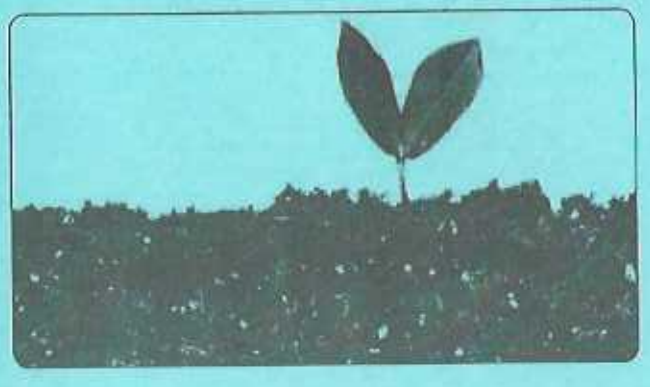

संपादक मंडली

डॉ0 नरेन्द्र कुमार
संयुक्त निर्देशक, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ0 रंजय कुमार सिंह
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र,चतरा

इंजि. विनोद कुमार पाण्डेय
वैज्ञानिक (कृषि अभियंत्रण), कृषि विज्ञान केन्द्र, चतरा

श्री धर्मा उराँव
वैज्ञानिक (पौधा संरक्षण), कृषि विज्ञान केन्द्र, चतरा

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
राँची–834 006 (झारखण्ड)

7

नाडेप विधि द्वारा कम्पोस्ट खाद का निर्माण

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
राँची–834 006 (झारखण्ड)

नाडेप विधि द्वारा कम्पोस्ट खाद का निर्माण

नाडेप खाद क्या है?

- यह एक प्रकार का कम्पोस्ट खाद है, जिसको गोबर, घर का कुड़ा–करकट, फसलों के अवशेष आदि से बनाया जा सकता है। इस विधि से कम्पोस्ट का निर्माण सर्वप्रथम महाराष्ट्र राज्य के एवं गाँधीवादी किसान श्री नारायण देवोतो पान्धारी पाँडे (N.D. Pandhari Pande) ने किया तथा सफल रहे बाद में यही तकनीक नाडेप के नाम से प्रसिद्ध हुई।

नाडेप खाद हेतु गड्ढे का आकार तथा सामाग्री

- गड्ढे की साईज – 6'x4'x3'
- सामाग्री – ईट – 800
  सीमेंट – 4–5 बोरी
  बालू – 15 बोरी

गडढे बनाने की लागत

• ईट	–	800	4200 रूपया
• सीमेंट	–	5 बोरी	1500 रूपया
• मजदूरी	–		700 रूपया
		कुल	**6400**

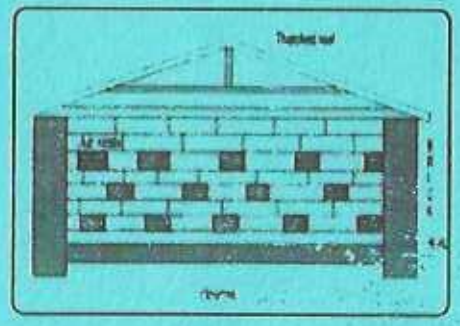

विधि

- सर्वप्रथम गड्ढे निर्माण हेतु चूने से जमीन पर 6' x 4' की आयताकार आकृति बनायेगें।
- तत्पश्चात 1–1.5 फीट गहरी नींव खोदेगें, और 9 इंच ईट की जुड़ाई शुरू करेगें। यह ध्यान रखेगें कि गडढे के अन्दर की चौड़ाई 4 फिट रहे। जमीन से 3 फीट दीवार इस प्रकार बनायेगें की दीवार के चारों तरफ डेढ–डेढ फीट की दूरी पर छेद रहे। बनने के बाद चूने से पुताई कर दें।

गड्ढे भरने हेतु सामाग्री

• गोबर	–	100 कि0ग्राम
• कृषि अवशेष	–	1500 कि.ग्राम
• मिट्टी	–	1750 कि.ग्राम
• पानी	–	200 लीटर
• राकफास्फेट	–	3कि.ग्राम.
• एजोटोबैक्टर	–	500ग्राम
• राईजोबियम कल्चर	–	500ग्राम
• स्फूर घोलक जीवाणु	–	1.5 कि.ग्राम.

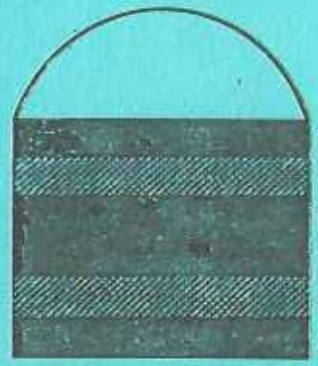

गड्ढे भरने की विधि

- पहली तह – 6" कृषि अवशेष (जिसमें भूर सूखे पत्ते, धान के पुवाल के टुकड़े, नाइजर का पुवाल इत्यादि
- दूसरी तह – 6" गोबर में पानी मिलाकर त बनाये
- तीसरी तह – 6" साफ सुथरी मिट्टी पानी भिंगोकर डालें।
- चौथी तह – कृषि अवशेष (जिसमें भूसा, सू पत्ते, धान के पुवाल के टुक नाइजर का पुवाल इत्यादि)
- पाँचवी तह – 6" गोबर में पानी मिलाकर त बनाये
- छठी तह – 6" साफ सुथरी मिट्टी पानी भिंगोकर डालें।
- इसके बाद अन्त में 3–4इंच गोबर + मिट्टी मिलाव ऊपर लेप कर दें।
- गड्ढे का हमेशा निरीक्षण करें यदि 8–10 दिन बा गड्ढे में दरार आती है तो उसे गोबर+मिट्टी से भ दें। करीब 80 दिन के बाद गड्ढे में बांस या सब्बल